ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

उद्यानिकी और वानिकी विश्वविद्यालय के डॉ। वाई.एस.

नौनी सोलन, हिमाचल प्रदेश

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 06-12-2024

सोलान(हिमाचल प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-12-06 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-12-07	2024-12-08	2024-12-09	2024-12-10	2024-12-11
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	2.0	1.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	23.0	21.0	19.0	19.0	19.0
न्यूनतम तापमान(से.)	1.0	5.0	4.0	5.0	5.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	74	78	82	83	79
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	52	53	72	73	62
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	8	10	8	9	9
पवन दिशा (डिग्री)	70	76	70	67	67
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	1	4	3	1

मौसम सारांश / चेतावनी:

8 एवं 9 दिसम्बर, 2024 को जिले के अलग-अलग स्थानों पर हल्की वर्षा के साथ मौसम के परिवर्तनशील रहने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 19.0-23.0ºC और 1.0-5.0ºC के बीच रहेगा। उत्तर-पूर्व दिशा में हवा की गति 8.0-10.0 किमी प्रति घंटे के बीच रहेगी। सापेक्षिक आर्द्रता 52-83 प्रतिशत के बीच रहेगी।

सामान्य सलाहकार:

किसानों को खरपतवारों और बीमारियों के प्रसार को नियंत्रित करने के लिए खड़ी फसलों और सब्जियों में निराई और गुड़ाई करनी चाहिए। किसानों को अपनी फसलों पर कीटों और बीमारियों के प्रकोप पर नजर रखनी चाहिए, जिनके मौजूदा मौसम की स्थिति में हमला करने की आशंका है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे नियमित अंतराल पर फसलों की सिंचाई करें। फलों की तुड़ाई के बाद बगीचों को साफ-सुथरा रखें फसल आधारित कृषि सलाह का नियमित रूप से पालन करें। साफ़ मौसम के दौरान पौधों की सुरक्षा के उपाय लागू करें। स्थानीय भाषा में कृषि मौसम संबंधी सलाह के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए MEGHDOOT ऐप का उपयोग करें।

लघु संदेश सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे खेतों में नमी बनाए रखने के लिए 5-10 सेमी की मोटाई में सूखी घास बिछाएं।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	पहली सिंचाई बुआई के 21-25 दिन बाद क्राउन रूट इनिशिएशन (सीआरआई) अवस्था के समय करनी चाहिए। सिंचाई के बाद, मिट्टी में सर्वोत्तम नमी उपलब्ध होने पर यूरिया की दूसरी खुराक डालें। गुलाबी तना छेदक कीट के लिए गेहूं की फसल की नियमित निगरानी करें। यह आमतौर पर अंकुरण अवस्था में फसल पर हमला करते है।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
सेब	रेखांकन पूरा करने के बाद किसानों को गड्ढों की खुदाई शुरू करने की सलाह दी जाती है। गड्ढों की खुदाई पूरी करने के बाद उसमें गोबर की खाद डालें और गड्ढों को भूमि से 15-20 सेमी ऊपर तक भर दें। किसानों को फलदार पौधों के तोलियों को तैयार करें नमी बनाए रखने के लिए सूखी घास बिछाएं । किसानों को सेब के पौधे मे फफुंदिये संक्रमण से बचने के लिए टूटी या कटी हुई शाखाओं पर बौर्डिओक्स पेस्ट लगाने की सलाह दी जाती है।
लहसुन	किसानों को सलाह दी जाती है कि अगले आने वाले दिनों में शुष्क मौसम की स्थिति के कारण मिट्टी में नमी बनाए रखने के लिए सिंचाई करें। मिट्टी का घनी और सख्त परत के बनने को कम करने के लिए में हल्की गुड़ाई करें।
मटर	किसानों को पौधों की स्टेकिंग करने की सलाह दी जाती है।
गुलाब	पुराने फूलों वाले टहनियों को हटाने के लिए छंटाई की सिफारिश की जाती है ताकि नए अंकुरों की वृद्धि को बढ़ाया जा सके।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे छोटे बछड़ों को रात के समय बोरे से ढककर ठंड से बचाएं और दिन के समय थोड़ी धूप में रखें । पशुओं में अफारा रोग को नियंत्रित करने के लिए उन्हें सूखी और हरी घास का मिश्रण दें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
पौध - संरक्षण	प्राकृतिक खेती करने वाले किसान साफ मौसम की स्थिति में साप्ताहिक अंतराल पर 3.0 प्रतिशत की दर से अग्निअस्त्र, ब्रह्मास्त्र और नीमास्त्र तथा दशपर्णी अर्क और नियमित अंतराल पर 10.0 प्रतिशत की दर से जीवाअमृत का छिड़काव करके कीट-कीटों के हमले को नियंत्रित कर सकते हैं।